Research Paper E-ISSN NO : 2455-295X | VOLUME : 10 | ISSUE : 12 | SPECIAL ISSUE DECEMBER-2024

NEP 2020 में बहुविषयक शिक्षा नीतियों का भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण

डॉ. सन्त लाल असिस्टेंट प्रोफेसर, भूगोल विभाग, का.सु. साकेत स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अयोध्या.

ABSTRACT:

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विकसित भारत की आवश्यकताओं के अनुरूप राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा में शिक्षा व्यवस्था में परिवर्तन का संकेत है। बहुविषयक शिक्षा इसका एक महत्वपूर्ण पक्ष है। बहुविषयक शिक्षा के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा के एकीकरण का प्रयास है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं के मध्य अंतर्सम्बन्ध के साथ ही कोई छात्र अपनी इच्छानुसार किसी भी विषय को पढ़ने के लिए स्वतंत्र होगा। इससे बेहतर परिणाम के साथ ही बच्चों में सीखने के क्षमता में भी वृद्धि होगी। स्थानीय संस्थाओं का अंतर्राष्ट्रीय स्तर की संस्था के रूप में भी विस्तार हो सकेगा।

KEYWORDS:

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, बहुविषयक शिक्षा, शैक्षणिक संस्थान, एकीकरण ।

शोध पत्र:

शिक्षा देश के सर्वांगीण विकास का मुख्य आधार है। देश की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर सरकार द्वारा शिक्षा नीतियों का निर्माण और क्रियान्वयन किया जाता रहा है। विकसित भारत की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू की गई है, जिससे भारतीय छात्र 21वीं सदी में अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप शिक्षित होकर राष्ट्रीय विकास में अपनी भूमिका स्पष्ट कर सकें।

बहुविषयक शिक्षा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। बहुविषयक शिक्षा के द्वारा छात्रों के सामाजिक, वैज्ञानिक, मानसिक, शारीरिक, सामाजिक और आध्यात्मिक विकास के साथ ही विभिन्न विषयों पर एक समग्र दृष्टिकोण विकसित करना है, जिससे छात्र वर्तमान राष्ट्रीय और वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप अपने आप को प्रस्तुत कर सकें। बहुविषयक शिक्षा NEP 2020 के महत्वपूर्ण स्तंभों पहुंच, समता, गुणवत्ता, वहनीयता और जवाबदेही की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण है। NEP 2020 द्वारा उच्च शिक्षा में बहुविषयक शिक्षा का मुख्य उद्देश्य सभी ज्ञान की एकता और अखंडता सुनिश्चित करना है। (MHRD, 2020)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बहुविषयक दृष्टिकोण से कोई भी छात्र अपने पसंद के विषय को चुन सकता है। विज्ञान विषय का छात्र अपनी रुचि के अनुरूप मानविकी विषयों का अध्ययन भी कर सकता है। इससे शोध और अनुसंधान में भी कई उद्देश्यों की एक साथ पूर्ति हो सकती है। बहुविषयक और एकीकृत ज्ञान के माध्यम से छात्र विभिन्न वैश्विक समस्याओं का बेहतर समाधान कर सकते हैं। NEP 2020 द्वारा बहुविषयक दृष्टिकोण निश्चित रूप से भारत में उच्च शिक्षा के निर्धारण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारतीय शिक्षा का यह उदार और बहुविषयक दृष्टिकोण दुनिया की संपूर्ण शिक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण योगदान देगा। बहुविषयक दृष्टिकोण निश्चित रूप से विभिन्न विषयों को जोड़ेगा और समाज में समस्याओं को हल करने के लिए सोचने के विभिन्न तरीकों को अपनाएगा। (Nirmal, P.B., 2024)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत विभिन्न शैक्षणिक संस्थान सम्मिलित शोध और अनुसंधान का कार्य कर सकते हैं। कोई भी वैश्विक संस्थान भारत में अपने संस्थान की शाखा खोल सकता है या किसी भी भारतीय संस्था से अनुबंध कर संयुक्त शोध और अनुसंसाधन संस्थान विकसित कर सकता है। जिससे देश के छात्र और शोधार्थियों को राष्ट्रीय/स्थानीय स्तर पर ही वैश्विक संस्थानों से जुड़कर अपनी प्रतिभा को तराष सकते हैं तथा राष्ट्रीय विकास में योगदान के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय समस्याओं के समाधान में अपना योगदान कर सकते हैं। इससे अकादमिक और तकनीकी नवाचार का लाभ स्थानीय स्तर पर भी प्राप्त होगा।

बहुविषयक शिक्षण के माध्यम से छात्र विभिन्न विषयों के ज्ञान से परिपूर्ण होकर विभिन्न विषयों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कर वास्तविक परिस्थितियों से अपने को जोड़ सकेगा। NEP 2020 के तहत बहुविषयक शिक्षा की क्रियान्वयन के संबंध में कुछ सिफारिषें भी की गई हैं जिन पर विचार करना उल्लेखनीय है।

बहुविषयक शिक्षा नीतियों को सफल बनाने हेतु बहुविषयक पाठ्यक्रम को विकसित करना होगा साथ ही इस पाठ्यक्रम के अनुरूप शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रम को भी बढ़ावा देना होगा। बहुविषय शोध और अनुसंधान को प्रोत्साहन देने हेतु विभिन्न विषयों के शिक्षाविदों के

अंतर्विषयक शोध और अनुसंधान हेतु प्रोत्साहित करना होगा। इसके अलावा सरकार को शिक्षा के लिए अनुदान को बढ़ावा देना होगा। विभिन्न शिक्षण और शोध संस्थानों में आधारभूत सुविधाओं का भी विकास करना होगा। शिक्षक-छात्र अनुपात को भी मानक के अनुसार रखना होगा। प्रारंभिक शिक्षा में विभिन्न बोर्ड/संस्थानों के विषय वस्तु में समानता को भी प्रोत्साहित करना होगा तथा समय-समय पर प्रारंभिक स्तर के शिक्षकों को भी प्रशिक्षित करना होगा। माध्यमिक स्तर के शिक्षा में अब सिर्फ 12वीं को बोर्ड परीक्षा अनिवार्य है। ऐसे में बच्चों पर परीक्षा का दबाव तो कम होगा लेकिन इस बात पर विशेष ध्यान देना होगा जिससे छात्रों में प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का ह्ास न हो सके। उच्च शिक्षा और शोध क्षेत्र में भी बहुविषयक शिक्षा की उपादेयता तभी सिद्ध हो पाएगी जब शिक्षक-छात्र अनुपात के साथ ही शोध और अनुसंधान हेतु भी अनुकूल माहौल भी अति आवश्यक है तभी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आदर्श वाक्य 'शिक्षित करें'; प्रोत्साहित करें; प्रबुद्ध करें की सार्थकता भी सिद्ध हो सकेगी।

REFERENCES

1. Nirmal, P.B. (2024) : Multidiciplinary Approach of NEP 2020: Transforming Higher Education In India, Twist, 19 (B), p. 336-338

2. Roy, Kishor (2022) : Multidiciplinary Approach in Teacher Education Programme: A Study, JETIR, Vol (9)(4), p. 645-648

3. नई शिक्षा नीति 2020: बहुविषयक शिक्षा, IJRAR, Vol 10, p.13-16